प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 20-11-2025

एनएमपीए ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का विदाई समारोह मनाया

न्यू मंगलौर पोर्ट अथॉरिटी ने 20 नवंबर 2025 को दोपहर 03:00 बजे बीडीसी ऑडिटोरियम, एनएमपीए पनम्बूर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के समापन समारोह की मेजबानी की। डॉ. ए. वी. रमना, अध्यक्ष, एनएमपीए ने समारोह की अध्यक्षता की। श्रीमती एस. शांती, उपाध्यक्ष, एनएमपीए ने मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमपीए श्री पद्मनाभचर के, आईओएफएस के साथ सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की प्रस्तावना के रूप में, एनएमपीए के अध्यक्ष डॉ. एवी रमना ने 18 अगस्त 2025 से 17 नवंबर 2025 तक निवारक सतर्कता उपायों पर पोर्ट में तीन महीने का अभियान शुरू किया था और अभियान के लिए फोकस क्षेत्रों पर श्री पद्मनाभचर के, आईओएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमपीए द्वारा एक प्रस्तुति दी थी। इस अभियान अवधि के दौरान, एनएमपीए ने अपने कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। इन कार्यशालाओं में आरटीआई अधिनियम 2005, नैतिकता और शासन, आचरण नियम और साइबर स्वच्छता और सुरक्षा जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया था।

इन तैयारियों के अलावा, 08 नवंबर 2025 को श्री संजय कृष्ण नवहले, आईओएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा "नैतिकता और अखंडता की संस्कृति का निर्माण" विषय पर एक विचारोत्तेजक वार्ता दी गई, जिसमें दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, नैतिकता और अखंडता के महत्व पर जोर दिया गया। इसके अलावा, 23 अक्टूबर 2025 को कर्मचारियों के लाभ के लिए श्री विजयदत्त कगिता, आईओएफएस, महाप्रबंधक / मानव संसाधन एवं वित्त, आयुध निर्माणी, मेडक द्वारा "अनुशासनात्मक कार्यवाही: एक अवलोकन" विषय पर एक वार्ता दी गई।

27.10.2025 को नई मंगलौर पोर्ट अथॉरिटी में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा-ग्रहण समारोह के साथ वीएडब्ल्यू 2025 का पालन शुरू हुआ। श्री पद्मनाभचर के, आईओएफएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने अधिकारियों, कर्मचारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई। प्रतिज्ञा-ग्रहण समारोह के बाद सभागार में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिससे सभी उपस्थित लोगों को अपनी भूमिकाओं में ईमानदारी के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध होने की अनुमति मिली।

एनएमपीए के सतर्कता विभाग ने अभियान अवधि के दौरान अपने कार्यबल और समुदाय के सदस्यों को सक्रिय रूप से सतर्कता जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसमें आस-पास के क्षेत्रों में सरकारी हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज के छात्रों के लिए निबंध

लेखन और नारा लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। बंदरगाह कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारियों ने भी निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिससे एक मजबूत संगठन और राष्ट्र के निर्माण में सतर्कता और नैतिक प्रथाओं के योगदान पर विचार साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत, एनएमपीए की अध्यक्ष ने 3 नवंबर 2025 को एओ बिल्डिंग से पनम्बूर बीच तक एक वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई, जहां सभी कर्मचारी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का संदेश फैलाने के लिए उच्च उत्साह के साथ एक साथ आए। इसके अलावा, पनम्बूर बीच पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के विषय "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" को दर्शाने वाली एक शानदार रेत की मूर्ति लगाई गई, जो सभी आगंतुकों के लिए ईमानदारी पर एक आकर्षक आकर्षण के रूप में काम करती है। इसके अलावा, एनएमपीए ने शिकायत निवारण के लिए हितधारकों और विक्रेताओं की बैठक भी आयोजित की।

20 नवंबर 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह के दौरान, एनएमपीए के अध्यक्ष ने निवारक सतर्कता पहल के तहत वित्त विभाग के लेखा मैनुअल और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के कार्य मैनुअल का अनावरण किया।

एनएमपीए के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पद्मनाभचर के ने अपने स्वागत भाषण में इस बात पर जोर दिया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह सार्वजनिक शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की साझा जिम्मेदारी को सुदृढ़ करता है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में 190 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों की उत्साही भागीदारी की सराहना की और एनएमपीए द्वारा अपनाए गए प्रमुख निवारक सतर्कता उपायों पर प्रकाश डाला, जिसमें चेहरा पहचान प्रणाली, बायोमेट्रिक और आरएफआईडी-आधारित पहुंच प्रणाली, अंडर व्हीकल स्कैनिंग सिस्टम, ऑनलाइन सतर्कता शिकायत पोर्टल और संशोधित मैनुअल शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है और कर्मचारियों और हितधारकों को अनियमितताओं की रिपोर्ट करने और अक्षरशः और भावना से अखंडता प्रतिज्ञा को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनएमपीए की उपाध्यक्ष श्रीमती एस. शांती ने ईमानदारी के साथ काम करने के महत्व पर प्रकाश डाला ताकि सतर्कता के मुद्दे पहली बार में ही न उठें। उन्होंने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान पोर्ट में निवारक सतर्कता को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से एसओपी और मैनुअल की समीक्षा करने के लिए अध्यक्ष की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई त्रुटियां अनजाने में होती हैं, उन्होंने ऐसी चूक से बचने के लिए निवारक उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि जानबूझकर गलत काम को हमेशा हतोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूली बच्चों की मजबूत भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की, यह देखते हुए कि कम उम्र में सीखी गई ईमानदारी और नैतिकता के मूल्य जीवन

भर किसी के चरित्र को आकार देते हैं। उन्होंने सतर्कता विभाग को निरंतर सफलता की कामना करते हुए निष्कर्ष निकाला और आशा व्यक्त की कि सभी विभाग त्रुटियों से बचने और उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

डॉक्टर। एक। वी एनएमपीए के अध्यक्ष रमण ने अपने संबोधन में गर्व व्यक्त किया कि न्यू मंगलौर पोर्ट अथॉरिटी देश के सबसे कम भ्रष्ट बंदरगाहों में से एक है, जिसमें मजबूत प्रणालियाँ, स्पष्ट प्रक्रियाएं और अच्छी तरह से परिभाषित एसओपी हैं जो पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी प्रशासन मजबूत प्रक्रियाओं का पालन करने और प्रौद्योगिकी, स्वचालन, डिजिटलीकरण और प्रणाली संचालित शासन के माध्यम से भ्रष्टाचार के अवसरों को खत्म करने में निहित है। भ्रष्टाचार के विभिन्न रूपों - राजनीतिक, कार्यकारी, सामाजिक, मिलीभगत और व्यक्तिगत - पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने जोर दिया कि नैतिक आचरण शीर्ष से शुरू होना चाहिए और समाज के सभी स्तरों तक विस्तारित होना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से ईमानदारी बनाए रखने, शॉर्टकट से बचने और अनदेखी होने पर भी जिम्मेदार बने रहने का आग्रह किया। एनएमपीए के अध्यक्ष ने कहा कि भ्रष्टाचार एक "रिसाव" के रूप में कार्य करता है जो सार्वजनिक संसाधनों को सबसे योग्य तक पहुंचने से रोकता है, सतर्कता और नैतिक व्यवहार की आवश्यकता पर जोर देता है। उन्होंने इस बात की पुन: पुष्टि की कि बंदरगाह का कार्यबल ईमानदार और प्रतिबद्ध है और सभी कर्मचारियों से विकास और समृद्धि के लिए भारत के बड़े दृष्टिकोण में योगदान करने के लिए समर्पण के साथ काम करना जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने एनएमपीए को नैतिक और पारदर्शी शासन के मॉडल के रूप में बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए निष्कर्ष निकाला।

इसके बाद सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पड़ोसी स्कूलों के स्कूली बच्चों और बंदरगाह कर्मचारियों की भागीदारी और उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। पुरस्कार वितरण के बाद, ज्ञान नृत्य अकादमी, पनम्बूर के छात्रों द्वारा अर्ध-शास्त्रीय नृत्य से दर्शकों का मनोरंजन किया गया, साथ ही बंदरगाह कर्मचारियों और कर्मचारियों द्वारा यक्षगान का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे समारोह का रंगारंग और आकर्षक समापन हुआ।

एनएमपीए सचिव ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्टाफ, स्कूली बच्चों और हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

एनएमपीए ने सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए एक सार्थक विदाई समारोह के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन किया, यह मानते हुए कि नैतिक शासन सच्ची समृद्धि के लिए आवश्यक है। पारदर्शिता और सतर्कता को अपनाकर, एनएमपीए न केवल अपनी नींव को मजबूत करता है बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी सार्थक योगदान देता है।

Press Release

Date: 20-11-2025

NMPA observes valedictory of Vigilance Awareness Week 2025

New Mangalore Port Authority hosted the valedictory ceremony for Vigilance Awareness Week 2025 on 20th November 2025 at 03:00 PM at the BDC Auditorium, NMPA Panambur. Dr. A. V. Ramana, Chairman, NMPA presided over the function. Smt. S. Shanthi, Deputy Chairperson, NMPA was guest of honor joined by Shri Padmanabhachar K., IOFS, Chief Vigilance Officer of NMPA.

As a prelude to Vigilance Awareness Week 2025, Dr. A.V. Ramana, Chairperson, NMPA, had launched a three-month campaign in the Port on preventive vigilance measures from August 18th 2025 to November 17th 2025 and a presentation by Shri Padmanabhachar K., IOFS, Chief Vigilance Officer, NMPA, on the focus areas for the campaign. During this campaign period, NMPA conducted a series of training programs aimed at capacity building for its employees. These workshops covered key topics like RTI Act 2005, Ethics and Governance, Conduct Rules, and Cyber Hygiene & Security during the campaign period.

Adding to these preparations, a thought-provoking talk on “Building a Culture of Ethics & Integrity” was delivered by Shri Sanjay Krishna Navhale, IOFS, Chief Vigilance Officer, Goa Shipyard Limited, on 08th November 2025, who emphasized the importance of transparency, ethics, and integrity in day-to-day activities and processes. Further, a talk on “Disciplinary Proceedings: An Overview” was delivered by Shri VIJAYDAT KAGITA, IOFS, General Manager / HR & Finance, Ordinance Factory, Medak, for the benefit of the employees on 23rd October 2025.

Observance of VAW 2025 commenced at New Mangalore Port Authority with the integrity pledge-taking ceremony on 27.10.2025. Shri Padmanabhachar K., IOFS, Chief Vigilance Officer, administered the integrity pledge to officers, employees, and staff. The pledge-taking ceremony was followed by a signature campaign in the auditorium, allowing all present to visibly commit to integrity in their roles.

The Vigilance Department of NMPA organized a range of events to actively engage its workforce and community members in vigilance awareness programs during the campaign period. This included essay writing and slogan writing competitions for Government high school and junior college students in the nearby areas. Port employees and outsourced staff also competed in essay and speech competitions, providing a platform to share ideas on how vigilance and ethical practices contribute to a stronger organization and nation.

Under the public outreach programme, Chairperson, NMPA, flagged off a walkathon from A.O. Building to Panambur Beach on 3rd November 2025, where all employees came together with high enthusiasm to spread the message of the fight against corruption. Apart from this, a stunning sand sculpture was arranged at Panambur Beach depicting the Vigilance Awareness Week theme, “Vigilance: Our Shared Responsibility”, serving as an eye-catching highlight on integrity for all visitors. In addition, NMPA organised a stakeholders & vendors meet for grievance redressal also.

During the valedictory of Vigilance Awareness Week on 20th November 2025, Chairman, NMPA unveiled the Accounts Manual of the Finance Department and the Works Manual of the Civil Engineering Department under the preventive vigilance initiative.

Shri Padmanabhachar K., Chief Vigilance Officer, NMPA, in his welcome address, emphasized that Vigilance Awareness Week reinforces the shared responsibility of promoting integrity and transparency in public governance. He appreciated the enthusiastic participation of 190 plus students and employees in various competitions and highlighted key preventive vigilance measures adopted by NMPA, including Face Recognition System, biometric and RFID-based access systems, Under Vehicle Scanning System, online vigilance complaint portal, and revised manuals. He stressed that combating corruption requires collective effort and encouraged employees and stakeholders to report irregularities and uphold the Integrity Pledge in letter and spirit.

Smt. S. Shanthi, Deputy Chairperson, NMPA, highlighted the importance of working with integrity so that vigilance issues do not arise in the first place. She appreciated the Chairperson for proactively reviewing SOPs and manuals during Vigilance Awareness Week to strengthen preventive vigilance across the Port. Emphasizing that many errors occur unknowingly, she stressed the need for preventive measures to avoid such lapses, while intentional wrongdoing must always be discouraged. She expressed happiness at the strong participation of

schoolchildren, noting that values of honesty and ethics learned at a young age shape one’s character throughout life. She concluded by wishing the Vigilance Department continued success and hoped that all departments strive to avoid errors and uphold high ethical standards.

Dr. A. V. Ramana, Chairman, NMPA, in his address, expressed pride that New Mangalore Port Authority stands among the least-corrupt ports in the country, with strong systems, clear procedures, and well-defined SOPs that ensure transparency. He emphasized that effective administration lies in following robust processes and eliminating opportunities for corruption through technology, automation, digitisation, and system-driven governance. Highlighting different forms of corruption—political, executive, social, collusive, and individual—he stressed that ethical conduct must begin at the top and extend across all levels of society. He urged employees to uphold integrity, avoid shortcuts, and remain responsible even when unobserved. Chairman, NMPA noted that corruption acts as a “leakage” that prevents public resources from reaching the most deserving, underscoring the need for vigilance and ethical behaviour. He reaffirmed that the workforce of the port is honest and committed, and called on all employees to continue working with dedication to contribute to India’s larger vision for growth and prosperity. He concluded by reiterating his commitment to maintaining NMPA as a model of ethical and transparent governance.

This was followed by prize distribution ceremony recognizing the participation and achievements of school children from neighboring schools and Port employees in various competitions held during Vigilance Awareness Week. Following the prize distribution, the audience was entertained by semi-classical dance by students of Gnana Nritya Academy, Panambur complemented by a yakshagana performance by Port employees and staff, adding a colorful and engaging finale to the function.

Secretary, NMPA expressed his sincere gratitude to the present dignitaries, Officers, employees, staff, school children and stake holders.

NMPA concluded Vigilance Awareness Week with a meaningful valedictory function reaffirming its unwavering commitment to uphold a culture of integrity, recognizing that ethical governance is essential for true prosperity. By embracing transparency and vigilance, NMPA not only strengthens its foundation but also contributes meaningfully to the nation's progress.